



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

26/6/88

सं. 310]
No. 310]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 14, 1988/ज्येष्ठ 24, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 14, 1988/JYAISTHA 24, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

नित संकलन

(राजस्थान विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिलेखना

व्यय कर

नई दिल्ली, 14 जून, 1988

का.आ. 584(अ) :—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, व्यय कर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 31 द्वारा प्रस्ताव शक्तियों का प्रयोग करते हुए, व्यय कर नियम, 1987 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यय कर (संशोधन) नियम, 1988 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. व्यय कर नियम, 1987 में —

(क) नियम 4 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तर्भावित किया जाएगा, अर्थात् :—

“धारा 8 के अधीन प्रभाव व्यय की जागत प्राप्त संवदों में योग की विवरणी।

5. अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित प्रभाव व्यय की जागत प्राप्त संवदों के योग की विवरणी प्रकृ. सं. 3 में पेश की जाएगी और उसका स्थापन उसमें उपदिष्ट रीति से किया जाएगा।

भाग की सूचना :

6. अधिनियम की धारा 20 के अधीन भाग की सूचना प्ररूप सं. 4 में होगी।

आयुक्त (अपील) को अपील का प्ररूप :

7. (1) अधिनियम की धारा 22 के अधीन आयुक्त (अपील) को कोई अपील प्ररूप सं. 5 में की जाएगी और उसका स्थापन उसमें उपदिष्ट रीति से किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में विहित किया गया अपील का प्ररूप अंग्रेजी के आधार पर और उससे संलग्न संशोधन निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा :

(क) व्यक्ति की दशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा जहाँ व्यक्ति भारत से बाहर है, वहाँ सम्बद्ध व्यक्ति द्वारा, या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा और जहाँ व्यक्ति अपने कार्य पर ध्यान देने से मानसिक रूप से असम है, वहाँ उसके संरक्षक द्वारा या किसी अन्य ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो उसकी ओर से ऐसा करने को सक्षम हो;

(ख) हिन्दू अविधवा कटुम्ब की दशा में, कर्ता द्वारा और जहाँ कर्ता भारत से बाहर है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप असम है, वहाँ ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य व्यक्ति सदस्य द्वारा;

(ग) किसी कंपनी की दशा में, उसके प्रबंध निदेशक द्वारा या जहाँ किसी अपरिहार्य कारण से ऐसा प्रबंध निदेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे स्थापित करने में सक्षम नहीं है या जहाँ प्रबंध निदेशक नहीं है, वहाँ उसके किसी निदेशक द्वारा या जहाँ किसी धनिवासी की दशा में निष्करण किसी ऐसे व्यक्ति पर किया गया है जिसे आयकर अधिनियम की धारा 163 के अधीन उसका अधिकर्ता माना गया है, जैसा कि अधिनियम, 1961 की धारा 24 के अधीन व्ययकर पर भी लागू होता है, वहाँ ऐसे व्यक्ति द्वारा,

(घ) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रबंध भागीदार द्वारा या जहाँ किसी अपरिहार्य कारण से ऐसा प्रबंध भागीदारी निष्करण पर हस्ताक्षर करने और उसे स्थापित करने में सक्षम नहीं है, या जहाँ ऐसा प्रबंध भागीदार नहीं है, वहाँ उसके किसी ऐसे भागीदार द्वारा जो अक्षम नहीं है।

(ङ) स्थानीय प्राधिकरण की दशा में उसके प्रधान अधिकारी द्वारा,

(च) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य द्वारा या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा, या

(छ) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने को सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

अपील अधिकरण को अपील और प्रत्यक्षों के स्थापन का प्ररूप :

8. (1) अपील अधिकरण को अधिनियम धारा 23 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन अपील प्ररूप सं. 6 में की जाएगी और उसका स्थापन उसमें उपदिष्ट रीति से किया जाएगा।

(2) अपील अधिकरण को अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (4) के अधीन प्रत्यक्षों का स्थापन प्ररूप सं. 7 में किया जाएगा और उसका स्थापन उसमें उपदिष्ट रीति से किया जाएगा।

(ख) परिशिष्ट में, अनु. 2 के प्ररूप निम्नलिखित प्ररूपों को अन्तर्भावित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप सं. 3

व्यय कर

प्ररूप सं. 3

प्रभाय व्यय की अधिन प्राप्त संवायों के योग की विवरण आयकर कार्यालय में उपयोग के लिए

व्यय कर अधिनियम, 1967

धारा 8 (1)/8(2) नियम 5

स्पष्ट प्ररूपों में नाम

स्थायी लेखा सं.

स्पष्ट प्ररूपों में कार्यालय का पता दूरभाष सं.

आर्क/सकिल

जहाँ निर्धारित किया गया/निर्धारणीय है :

निर्धारण वर्ष

यदि यह पुनरीक्षित विवरण है तो कृपया प्रस्तुत

की गई पूर्ववर्ती विवरणी की रसीद सं. और तारीख लिखें

हां/नहीं

रसीद सं.

दिना

मास

वर्ष

प्राप्ति

(संकेतिकी का प्रयोग करें, देखिए टिप्पण : 1)

लिखें क्या वह

निवासी/अनिवासी/मामूली तौर से निवासी नहीं है

(निम्नलिखित संकेतिकी का प्रयोग करें: निवासी 01, अनिवासी 02, मामूली तौर से निवासी नहीं है 03)

भाग-1 प्रभार्य व्यय का विवरण

1. निम्नलिखित के उपबन्धों के संबंध में उत्पन्न कुल प्रभार्य व्यय :—

- (क) कोई वास-स्थान, आवासिक या अन्यथा
- (ख) होटल द्वारा खाद्य या पेय, चाहे होटल में या बाहर
- (ग) होटल में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खाद्य या पेय
- (घ) किराए या पट्टे पर होटल में कोई वास-स्थान
- (ङ) होटल द्वारा होटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रृंगार कला केन्द्र, स्वास्थ्य क्लब, तरेणताल, को रूप में या अन्य वैसे ही सेवाएँ
- (च) किसी अन्य व्यक्ति द्वारा होटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रृंगार कला केन्द्र, स्वास्थ्य क्लब, तरेणताल के रूप में या अन्य वैसे ही सेवाएँ
- (छ) (क) + (ख) + (ग) + (घ) + (ङ) + (च) का योग

2. शुद्ध प्रभार्य व्यय (दम रूप के निकटतम गुरुज तक यथा पूर्णकृत

व्यय-कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यय कर को यथा लागू, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 288क)

भाग-2

व्यय कर का विवरण

प्रभार्य व्यय, संघटित व्यय कर सरकार को संवत् कर का विवरण और उसके संवाय को (मासवार) तारीख।

क्र.सं.	प्रभार्य व्यय	संघटित योग्य व्यय-कर	संघटित व्यय कर	सरकार को संवत् व्यय कर	संवाय की तारीख (वालास संलग्न करें)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
1.					
2.					
3.					
4.					
4.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					

योग

अर्थात् तब तक संशोधित किए जाने वाले व्यवहार का अतिशेष

स्तम्भ (3)—स्तम्भ (4) : अंकों में
शब्दों में

सरकार को संवाह किए जाने वाले व्यवहार का अतिशेष

स्तम्भ (4)—स्तम्भ (5) :
अंकों में
शब्दों में

भाग 3—प्रसार्य व्यय में सम्मिलित न की गई अन्य राशियाँ और जिनका कराधेय न होने का दावा किया गया है।

[धारा 5(i) से (iv) देखिए]

विशिष्टियाँ	रकम	कारण बताएं कि क्यों कराधेय नहीं है

सत्यापन (टिप्पण 2 और 3 देखिए)

मैं, जो
(स्पष्ट धारों में पूरा नाम)
..... का पुत्र/पुत्री/पत्नी और

(होटल/रेस्टोरेंट/श्रृंगार कला केंद्र, स्वास्थ्य क्लब, तरण ताल आदि का नाम) का हूँ
(पदनाम)

सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस विवरणी और संलग्न विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उसमें दक्षित प्रभाव व्यय हो सका और अन्य विशिष्टियाँ सही-मही बताई गई हैं और 1 जनवरी, 19..... की प्रारम्भ होने वाले निवर्तित वर्ष से सुसंगत वित्तीय वर्ष के संबंध में हैं।

मैं सत्यनिष्ठा से यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि उस वित्तीय वर्ष के दौरान कोई अन्य प्रसार्य व्यय *होटल/रेस्टोरेंट/श्रृंगार कला केंद्र/स्वास्थ्य क्लब/ तरण ताल में या किसी अन्य सेवा के संबंध में, जिसे यह अधिनियम लागू होता है, उभगत नहीं किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मैं की हैसियत में *होटल/रेस्टोरेंट/श्रृंगार कला केंद्र/स्वास्थ्य क्लब/तरण ताल
(पदनाम)

आदि की ओर से यह विवरणी तैयार करने और इसे सत्यापित करने के लिए लक्ष्य हूँ।

तारीख:
हस्ताक्षर

स्थान:

टिप्पण :

1. हैसियत उपवर्णित करने लिए रूपया निम्नलिखित कोड सं. का प्रयोग करें:
-- व्यय 01
-- हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब 02
-- (नीचे उल्लिखित से भिन्न)
-- हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की पूर्व बर्ती वर्ष में कुल आय 18,000 रुपए अधिक है 03
-- घरजिस्दीकृत कर्म 04
-- रजिस्ट्रीकृत कर्म (वृत्ति में लगी हुई से भिन्न) 05
-- रजिस्ट्रीकृत कर्म, जो वृत्ति में लगी हुई है 06

*जो लागू न हो उसे काट दें।

--व्यक्तियों का संगम (अ. का सं.)	07
--व्यक्तियों का संगम (संगम)	08
--व्यक्तियों का विकास (अ. का सं.)	09
--कृत्रिम निर्मित व्यक्ति	10
--सहायक मोसाइटी	11
--कोई देशी कंपनी जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार है	12
--कोई देशी कंपनी जो ऐसी कंपनी नहीं है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार है और जो व्यापारिक कंपनी या विनिर्माण की कंपनी नहीं है	13
--कोई देशी कंपनी जो एक व्यापारिक कंपनी या कोई विनिर्माण कंपनी है और वह एक ऐसी कंपनी भी है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार नहीं है	14
--देशी कंपनी से भिन्न कोई कंपनी	15
--स्थानीय प्राधिकारी	16

2. यह विवरणी निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित की जानी चाहिए :—

- (क) किसी व्यक्ति की दशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा, जहां व्यक्ति भारत से बाहर है, वहां सम्बद्ध व्यक्ति द्वारा या ऐसे व्यक्ति द्वारा जो हम निमित्त उसके द्वारा सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत हो; और जहां वह व्यक्ति अपने कार्यों की देखभाल करने में मानविक हानि से अज्ञात है वहां उसके संरक्षक द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उसकी ओर से कार्य करने के लिए सक्षम हो।
- (ख) हिन्दू अधिभवन कुटुम्ब की दशा में कर्ता द्वारा और जहां कर्ता भारत से बाहर है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानविक हानि से अज्ञात है वहां ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य व्यक्त सदस्य द्वारा।
- (ग) किसी कंपनी की दशा में, उसके प्रबन्ध निदेशक द्वारा, या जहां किसी अतिरिक्त कारण से ऐसा प्रबन्ध निदेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में सक्षम नहीं है या जहां कोई प्रबन्ध निदेशक नहीं है वहां उसके किसी भी निदेशक द्वारा या अधिवास की दशा में जहां किसी व्यक्ति का निर्धारण किया गया है, जिसे आदर अतिरिक्त, 1961 की धारा 163 के अधीन उसके अधिकारों के रूप में माना गया है, वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा।
- (घ) किसी कर्म की दशा में, उसके प्रबन्ध भागीदार द्वारा या जहां किसी अतिरिक्त कारण से ऐसा प्रबन्ध भागीदार विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में सक्षम नहीं है या जहां कोई ऐसा प्रबन्ध भागीदार नहीं है, वहां उसके किसी भी भागीदार द्वारा, जो अतिरिक्त नहीं है।
- (ङ) स्थानीय प्राधिकारी की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा।
- (च) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उनके प्रधान अधिकारी द्वारा; और
- (छ) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिए सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

3. सत्यापन पर हस्ताक्षर करने से पूर्व, हस्ताक्षरकर्ता को अपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति, जो इस विवरणी या इसके साथ के विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा, अथवा अतिरिक्त, 1987 की धारा 27 के अधीन अभियोजन के लिए दायी होगा और दंडादेश पर कठोर कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम की नहीं होगी, किन्तु जो सान वर्ष तक की हो सकती, और जुर्माने से वंचनीय होगा।

4. अथवा अतिरिक्त, 1987 की धारा 7 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार किसी भी कनेक्टर मास के दौरान संश्लेषित कर, उक्त कनेक्टर मास के ठीक अगले मास की 10 तारीख तक कनेक्टर सरकार के खाने में संदाय किया जाएगा और ऐसे मासिक संदाय का सबूत हम विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

प्रकरण 4

अथवा

(नियम 6 देखिए)

अथवा अतिरिक्त, 1987 की धारा 20 के अधीन मांग की सूचना

हस्ताक्षर

प्राप्त

संज्ञा में,

आपको सूचना दी जाती है कि निर्धारण वर्ष ----- के लिए ----- रूप से की राशि आपके द्वारा निम्नानुसार संदाय की जाने के लिए अवधारित की गई है :—

प्रभाष्य व्यव पर कर -----

धारा 7(2) के अधीन संशोधन कर -----

संशोधन अधिनियम -----

2. एकम इस सूचना की तारीख के 35 दिन -----के भीतर प्रबन्धक, -----स्क्रिप्ट भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक/प्राधिकृत बैंक में संशोधन की जाती चाहिए। उक्त अधिनियम का पूर्व अनुमोदन उपरोक्त राशि के संशोधन के लिए 35 दिन से कम अवधि अनुमान करने के लिए प्राप्त कर लिया है। संशोधन के प्रयोजन के लिए एक आगत संलग्न है।

3. यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर इस एकम का संशोधन नहीं करेंगे तो आपके ऊपर व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यव-कर का यथा लागू व्यव-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220(2) के अनुसार पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् भार-भ होने वाली तारीख में पन्द्रह प्रतिशत की दर पर साधारण व्याज का संशोधन करने के लिए दायी होंगे।

4. यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की एकम का संशोधन नहीं करेंगे तो आपके ऊपर व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यव-कर का यथा लागू व्यव-कर अधिनियम, 1961 की धारा 231 के अनुसार, आप को सुनवाई का मुक्तिपत्र प्रस्तुत देने के पश्चात्, शास्ति (जो उचित हो सकेगी, जितनी कर की एकम बकाया है) अधिनियमित की जा सकेगी।

5. यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर एकम का संशोधन नहीं करेंगे तो उसकी बसुलों के लिए कारवाई, व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यव-कर की यथा लागू व्यव-कर अधिनियम, 1961 की धारा 222 से धारा 227, धारा 229, धारा 231, धारा 232 और दूसरी अनुसूची और तीसरी अनुसूची के अनुसार की जाएगी।

6. यदि आपका निर्धारण/जुमनि/शास्ति के विरुद्ध अपील करने का आशय है तो आप प्रकरण 5 में, उस प्रकरण में यथा अधिकतम सम्भव रूप से स्थापित इस सूचना की प्राप्ति के तीस दिनों के भीतर व्यव-कर अधिनियम (अपील) -----की, व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 22 के अधीन अपील प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्थान -----

निर्धारण अधिकारी

तारीख -----

पता -----

टिप्पण .

1. यदि आप बैंक द्वारा एकम का संशोधन करवा रहे हैं तो बैंक भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक/प्राधिकृत बैंक के प्रबन्धक के पत्र में जारी किया जाता चाहिए।

2. यदि आपका आशय एकम के संशोधन के लिए समय में वृद्धि करवाने का है या किस्मों में संशोधन करने का प्रस्ताव करते हैं तो, यथास्थिति, ऐसी समय-वृद्धि या किस्मों में संशोधन करने की अनुज्ञा के लिए आवेदन पत्र 2 में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व निर्धारण अधिकारी को करना चाहिए। उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त किसी आवेदन को व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यव-कर की लागू व्यव-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220(3) के विनिर्दिष्ट अनुबंधों को ध्यान में रखते हुए स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. अनुचित मामलों का खोप किया जाएगा।

प्रकरण सं. 5

व्यव-कर

(नियम 7 देखिए)

व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा 22 के अधीन व्यव-कर अधिनियम (अपील) की अपील।

आयुक्त (अपील) का पदाभिधान

*सं.

तारीख

19

1. आवेदक का नाम और पता

2. स्थायी खाता सं.

3. वह निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है

4. उस आवेदन को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी।

5. व्यव-कर अधिनियम, 1987 की धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने वह आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और उस आदेश की तारीख

6. जहाँ किसी निर्धारण या शास्ति या जुमनि के संबंध में अपील की गई है वहाँ मांग की सुसंगत सूचना की तारीख

7. किसी अन्य देश में, उस प्रादेश के प्रजापन की तारीख की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गई है

8. अपील में दावाकृत अनुसूची

9. वह पना दिन पर प्रादेशक को सूचना भेजी जा सकेगी

हस्ताक्षरित (अपीलार्थी)

† तथ्यों का विवरण

* अपील के आधार

हस्ताक्षरित (अपीलार्थी)

सत्यापन

मैं
आज तारीख 19 को सत्यापित

हस्ताक्षरित (अपीलार्थी)

स्थान

दिप्पण :

1. अपील का प्रारूप, अपील के आधार और उससे संलग्न सत्यापन का प्रारूप किसी व्यक्ति द्वारा नियम 7(2) के उद्देश्यों के अनुसार हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।
2. ये अपील का स्थापन, तथ्यों का विवरण और अपील के आधार दो प्रतियों में होने चाहिए और उनके साथ उस प्रादेश की प्रति, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और मांग की सूचना की मूल प्रति, यदि कोई हो, लगी होनी चाहिए।
3. अनुचित शब्दों का लोप कर दें।
4. * ये विशिष्टियाँ प्राप्ता (अपील) के कार्यालय में भरी जाएंगी।
5. † यदि यहां उपर्युक्त स्थान उपलब्ध है तो, इस प्रयोग के लिए पुस्तक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

प्रारूप सं. 6

प्रत्येक

(नियम 8 देखिए)

अपील अधिकरण को अपील का प्रारूप

आवक अपील अधिकरण में

*अपील सं. तारीख 19

बनाम 19

अपीलार्थी

प्रत्येक

1. वह राज्य, जिसमें निर्धारण किया गया था।

2. वह धारा, जिसके अधीन वह प्रादेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया गया था।

3. वह निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है।

4. **मूल प्रादेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी।

5. * व्यवहार अधिनियम, 1987 की वह धारा और उपधारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने प्रादेश पारित किया था।

6. ** अधिनियम की धारा 17/122 व्यवहार अधिनियम, 1981 की धारा 131(2)

के अधीन, जैसे कि व्यवहार अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यवहार को लागू होते हैं, आदेश पारित करने वाला प्राधिकृत (अपील)

7.†† अधिनियम की धारा 21 के अधीन आदेश पारित करने वाला प्राधिकृत।

8. उस आदेश को संशुद्धि करने की तरीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

9. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

10. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

11. वह तारीख, जिसको मद 3 में निर्दिष्ट निर्धारण वर्ष के लिए प्रचार्य व्यय, यदि कोई हो, की विवरणी फाइल की गई थी।

12. वह तारीख जिसको निर्धारित की मद 3 में निर्दिष्ट निर्धारण वर्ष के लिए प्रचार्य व्यय की विवरणी फाइल करने के लिए उसे भेजते हुए किसी सूचना की, यदि कोई हो, तारीख की गई थी।

13. * अपील में वाचाकृत अनुसूच

* अपील के आधार

हस्ताक्षरित (अपीलार्थी)

हस्ताक्षरित

(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो)

सम्भाषन

मैं,

अपीलार्थी, घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो भी कथन किया गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य

है।

आम

तारीख

को मरबाधित

स्थान

हस्ताक्षरित (अपीलार्थी)

टिप्पण :

अपील का ज्ञापन तीन प्रतियाँ में होना चाहिए और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियाँ (उनमें से कम से कम एक संशोधित प्रति होनी चाहिए) और निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियाँ लानी होनी चाहिए।

2. अधिनियम की धारा 23अ के अधीन किसी निर्धारित द्वारा अपील को दफा में अपील के ज्ञापन के साथ 200 रुपये की फीस होनी चाहिए। यह शुल्क दिया जाता है कि फीस, निर्धारण अधिकारी से बालान अभिप्राप्त करने के पश्चात् भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की किसी शाखा या प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में जमा की जानी चाहिए और बालान की तीसरी प्रति अपील के ज्ञापन के साथ अपील अधिकरण को भेजी जानी चाहिए। अपील अधिकरण बैंक, ट्राफ़्ट, हुंडी या अन्य परकाय लिखित स्वीकार नहीं करेगा।

3. अपील का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखित होना चाहिए या यदि अपील किसी ऐसी व्यापक में वांछित की गई है जो किसी ऐसे राज्य में स्थित है, जिसे तत्समय अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा व्यवहार (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए अधिस्तुति किया गया है तो, अपीलार्थी को, संक्षिप्त तथा सुस्पष्ट शीर्षों के अधीन बिना किसी तर्क या वृत्तांत के अपील के आधारों को हिन्दी में वर्णित करने का विकल्प होगा और ऐसे आधारों को क्रम से संश्लेषित किया जाना चाहिए।

4. * अपील की त. और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यालय में पूरा जाएगा।

5. ** ऐसी मदों को बाट दें, जो लागू न हों।

6. * यदि उपबंधित स्थान उपलब्ध हो, तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

पृष्ठ सं. 7

नमूना-पत्र

[निबन्ध 2 (2) देखिए]

अपील अधिकरण का प्रस्तावों के आपन का प्रमाण

अधिकार अपील अधिकरण - - - - - में

प्रस्तावों के नं. - - - - - तारीख - - - - - 19 - - - - -

** अपील नं. - - - - - तारीख - - - - - में

अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

1. ** इस अधिकरण द्वारा प्राबंठित अपील नं. जिससे प्रस्तावों का आपन संबंधित है

2. वह राज्य, जिसमें निर्धारण किया गया था

3. वह धारा और उपधारा, जिसके अधीन वह प्रदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया गया था

4. वह निर्धारण वर्ष, जिसमें संबंध में प्रस्तावों का आपन प्रमाणित किया गया है।

5. अपीलार्थी द्वारा अधिकरण में काइम की गई अपील की सूचना की तारीख की तारीख

6. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी (प्रस्तावार्थी) को सूचनाएं भेजी जा सकती हैं।

7. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकती हैं।

8. * प्रस्तावों के आपन में दावाकृत अनुमति

* प्रस्तावों के आधार

हस्ताक्षरित

हस्ताक्षरित

(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो)

(प्रत्यर्थी)

सन्वादिन

में प्रत्यर्थी, घोषणा करता है कि ऊपर जो भी कबन किया गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आप तारीख 19 को सन्वादिन।

स्थान

हस्ताक्षरित

दिनांक

(प्रत्यर्थी)

1. प्रस्तावों का आपन तीन शर्तों में होना चाहिए।

2. प्रस्तावों का आपन अंग्रेजी में लिखित होना चाहिए या यदि आपन किसी ऐसी भाषा में लिखित किया गया है, जो किसी ऐसे राज्य में स्थित है, जिसे अपील अधिकरण के प्रधान द्वारा सम्बन्ध आधार (अपील अधिकरण) निबन्ध, 1943 के निबन्ध 3 के प्रयोगों के लिए अधिभूषित किया गया है तो प्रत्यर्थी को सूचित करना सम्पूर्ण गोपनी के अन्तर्गत किन्हीं नतीजों का आपन के प्रस्तावों को हितों में वर्णित करने का विकल्प हो और ऐसे प्रस्तावों को आपन में सम्मिलित किया जाएगा।

3. * प्रस्तावों के आपन की में और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यालय में भेजे जाएंगे।

4. ** अधिकरण के कार्यालय द्वारा यथा प्राबंठित तथा प्रत्यर्थी द्वारा आपन की गई अपील की सूचना में आया हुआ अपील की म. और वर्ष प्रत्यर्थी द्वारा यथा भरा जाना है।

5. यदि उपरोक्त स्थान कार्यालय है तो, हम प्रयोग के लिए परक संकेतों का उपयोग किया जा सकेगा।

[सं. 2006 एक सं. 133/2/98 - टी पी एन]

विषय साधु, निवेदन: (टी पी एन)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

NOTIFICATION

New, Delhi the 14th June, 1988

Expenditure-Tax

S.O. 584(E).—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Expenditure-tax Act, 1987 (35 of 1987), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules to amend the Expenditure-tax Rules, 1987, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Expenditure-tax (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Expenditure-tax Rules, 1987, —

(a) after rule 4, the following rules shall be inserted, namely:—

“RETURN OF AGGREGATE OF THE PAYMENTS RECEIVED IN RESPECT OF CHARGEABLE EXPENDITURE UNDER SECTION 8.

5. The return of the aggregate of the payments received in respect of chargeable expenditure required to be furnished under sub-section (1) or sub-section (2) of section 8 of the Act shall be furnished in Form No. 3 and shall be verified in the manner indicated therein.

Notice of Demand.

6. The notice of demand under section 20 of the Act shall be in Form No. 4.

Form of Appeal to the Commissioner (Appeal).

7.(1) An appeal under section 22 of the Act to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form No. 5 and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) The form of appeal prescribed by sub-rule (1) the grounds of appeal and the verification appended thereto shall be signed —

(a) in the case of an individual, by the individual himself where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;

(b) in the case of a Hindu undivided family by the Karta and where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family ;

(c) in the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof or where in the case of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, as applied to expenditure-tax under section 24 of the Act, by such person;

(d) in the case of a firm by the managing partner thereof, or where for any unavoidable reason such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partner as such, by any partner thereof, not being a minor ;

(e) in the case of a local authority, by the principal officer thereof;

(f) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; or

(g) in the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

Form of appeal and Memorandum of Cross-objections to Appellate Tribunal.

8.(1) An appeal under sub-section (1) or sub-section (2) of section 23 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. 6 and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) A memorandum of cross-objections under sub-section (4) of section 23 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in the Form No. 7 and shall be verified in the manner indicated therein.”;

(b) in the Appendix, after Form No. 2, the following forms shall be inserted, namely:—

PART II—STATEMENT OF EXPENDITURE TAX

BREAK UP OF CHARGEABLE EXPENDITURE, EXPENDITURE TAX COLLECTED, TAX PAID TO GOVERNMENT AND DATE OF PAYMENT THEREOF (MONTHWISE;)

S. No.	Chargeable Expenditure	Expenditure Tax Collectible	Expenditure Tax Collected	Expenditure Tax paid to Government	Date of Payment (Attach challans)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					

TOTAL

Balance of
expenditure-tax
yet to be
collected

Column (3)—Column (4): In figures
In words

Balance of
Expenditure-tax
to be paid to
Government

Column (4)—Column (5): In figures
In words

PART III—OTHER SUMS NOT INCLUDED IN CHARGEABLE EXPENDITURE AND CLAIMED TO BE NOT TAXABLE

[See section 5 (i) to (iv)]

Particulars	Amount	Reasons why not taxable
-------------	--------	-------------------------

VERIFICATION (See Notes 2 and 3)

I. _____
(Name in full and in Block letters)

*Son/daughter/wife of Shri _____
being the _____ of _____
(designation) (Name of the Hotel/Restaurant, Beauty Parlour, Health Club, Swimming Pool, etc.)

Solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the statements accompanying it is correct and complete and that the amount of chargeable expenditure and other particulars shown therein are truly stated and relate to the financial year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 19____.

I further solemnly declare that during the said financial year no other chargeable expenditure has been incurred in the *Hotel/restaurant/beauty parlour/health club/Swimming Pool or in respect of any other service to which the Act applies.

I further declare that in my capacity as _____ I am competent to make this return and verify it on
(Designation)

behalf of the *Hotel/restaurant/beauty parlour/health club/swimming pool, etc.

Date _____

Place _____

(Signature)

*Delete whichever is not applicable.

Notes:

1. For indicating the status, please use the following code numbers:

- Individual	01
-Hindu undivided family (other than the one mentioned below)	02
-Hindu undivided family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 12,000	03
-Unregistered firm	04
Registered firm (other than the one engaged in profession)	05
Registered firm engaged in profession	06
Association of persons (AOP)	07
-Association of persons (trusts)	08
-Body of individuals (BOI)	09
-Artificial juridical person	10
-Cooperative society	11
-A domestic company in which public are substantially interested	12
-A domestic company which is not a company in which the public are substantially interested and which is not a trading company or an investment company	13
-A domestic company which is a trading company or an investment company and is also a company in which the public are not substantially interested	14
-A company other than a domestic company	15
- Local authority	16

2. This return should be signed by:

- In the case of an individual, by the individual himself, where the individual is absent from India by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf, and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs by his guardian or by any other person competent to act on his behalf.
- In the case of a Hindu undivided family, by the Karta, and where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family.

- (c) in the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof or where in the case of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, 1961, by such person.
- (d) in the case of a firm by the managing partner thereof or where for any unavoidable reason such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partner as such, by any partner thereof not being a minor.
- (e) in the case of a local authority, by the principal officer thereof;
- (f) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (g) in the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

3. Before signing the verification, the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in this return or the accompanying statements shall be liable to prosecution under section 27 of the Expenditure-tax Act, 1987 and on conviction be punishable with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than three months but which may extend to seven years and with fine.

4. The tax collected during any calendar month in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 7 of the Expenditure Tax Act, 1987 shall be paid to the credit of the Central Government by the 10th day of the month immediately following the said calendar month and the proof of such monthly payment should be attached along with this return.

FORM NO. 4
EXPENDITURE TAX
(See rule 6)

Notice of Demand under Section 20 of the Expenditure-tax Act, 1987

Status _____

P.A. No. _____

To _____

This is to give you notice that for the assessment year _____ a sum of Rs. _____ has been determined to be payable by you as under:—

Tax on chargeable expenditure
Tax paid under section 7(2)
Balance payable

Rs. _____
Rs. _____
Rs. _____

2. The amount should be paid to the Manager, State Bank of India/Reserve Bank of India/authorised Bank at _____ within 35 days/_____ days of the service of this notice. The previous approval of the Deputy Commissioner has been obtained for allowing a period of less than 35 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.

3. If you do not pay the amount within the period specified above, you will be liable to pay simple interest at the rate of fifteen per cent per annum from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with section 220(2) of the Income Tax Act, 1961 as applied to Expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-tax Act, 1987.

4. If you do not pay the amount of tax within the period specified above, (penalty which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with section 221 of the Income-tax Act, 1961 as applied to Expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-tax Act, 1987.

5. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 222 to 227, 229, 231, 232 and the Second Schedule and the Third Schedule to the Income-tax Act, 1961 as applied to expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-tax Act, 1987.

6. If you intend to appeal against the assessment/fine/penalty you may present an appeal under section 22 of the Expenditure-tax Act, 1987 to the Commissioner of Income-tax (Appeals) _____ within thirty days of the receipt of this notice in Form No. 5 duly verified as laid down in that Form.

Place _____

Assessing Officer

Date _____

Address

Notes:

1. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Manager, State Bank of India/Reserve Bank of India/authorised Bank.

2. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension or, as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Assessing Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of Section 220 (3) of the Income-tax Act, 1961 applied to the expenditure tax by section 24 of the Expenditure-tax Act, 1987.
3. Delete the inappropriate words

FORM NO. 5

EXPENDITURE-TAX

(See rule 7)

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals) under section 22 of the Expenditure-tax Act, 1987

Designation of the Commissioner (Appeals)

*No of 19.....19....

1. Name and address of the appellant
2. Permanent Account No.
3. Assessment year in connection with which the appeal is preferred
4. Assessing Officer passing the order appealed against
5. Section and sub-section of Expenditure-tax Act, 1987, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty or fine, the date of service of the relevant notice of demand
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against
8. Relief claimed in appeal
9. Address to which notices may be sent to the appellant

—Statement of facts
—Grounds of appeal

Signed (Appellant)

VERIFICATION

Signed (Appellant)

I, _____, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the _____ day of _____ 19____

(Signed)
(Appellant)

Place _____

Note:

1. The form of appeal, ground of appeal and form of verification appended thereto should be signed by a person in accordance with the provisions of rule 7(2).
2. This memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal must be in duplicate and should be accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand in original if any.
3. Delete inappropriate words.
4. *Three particulars will be filled in the office of the Commissioner (Appeals).
5. +If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose

FORM NO. 6

EXPENDITURE TAX

(See rule 8)

Form of Appeal to the Appellate Tribunal

IN THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

*Appeal No. _____ of _____ 19____19____.

_____ Versus _____
 Appellant Respondent

1. The State in which the assessment was made
2. Section under which the order appealed against was passed
3. Assessment year in connection with which the appeal is preferred
4. **The Assessing Officer, passing the original order
5. *Section and sub-section of the Expenditure-tax Act, 1987, under which the Assessing Officer passed the order
6. **The Commissioner (Appeals) passing the order under section 17/22 of the Act/section 131(2) of the Income-tax Act, 1961, as applied to Expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-tax Act, 1987
7. **The Commissioner passing the order under section 21 of the Act
8. Date of communication of the order appealed against
9. Address to which notices may be sent to the appellant
10. Address to which notices may be sent to the respondent
11. Date on which the return of chargeable expenditure, if any, for the assessment year referred to in item 3 was filed.
12. Date on which the assessee was served with a notice, if any, calling upon him to file the return of chargeable expenditure for the assessment year referred to in item 3
13. +Relief claimed in appeal

+Grounds of appeal

Signed
 (Authorised representative, if any)

Signed
 (Appellant)

Signed
 (Appellant)

VERIFICATION

I, _____, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19____.

Place _____

Signed
 (Appellant)

Notes:

1. The memorandum of appeal must be in triplicate and should be accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against and two copies of the relevant order of the Assessing Officer.
2. The memorandum of appeal in the case of an appeal by an assessee under section 23(1) of the Act must be accompanied by a fee of Rs. 200. It is suggested that the fee should be credited in any branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India or a branch of the authorised bank after obtaining the challan from the Assessing Officer and the triplicate challan sent to the Appellate Tribunal with the memorandum of appeal. The Appellate Tribunal will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.

3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunals) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. *The number and year of appeal will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
5. **Delete the inapplicable items.
6. +If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

FORM NO. 7

EXPENDITURE TAX

[See rule 8(2)]

Form of memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal
IN THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

*Cross-objection No. _____ of _____ 19____ 19____.

**In Appeal No. _____ of _____ 19____ 19____.

_____ Versus _____

Appellant

Respondent

1. **Appeal No. allotted by the Tribunal to which memorandum of cross-objection relates.

2. The State in which the assessment was made

3. Section and sub-section under which the order appealed against was passed.

4. Assessment year in connection with which the memorandum of cross-objections is preferred

5. Date of receipt of notice of appeal filed by the appellant to the Tribunal

6. Address to which notices may be sent to the respondent (cross-objector)

7. Address to which notices may be sent to the appellant

8. +Relief claimed in the memorandum of cross-objections.

+Grounds of cross-objections

Signed

(Authorised representative, if any)

Signed

(Respondent)

VERIFICATION

I, _____ the respondent do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the _____ day of _____ 19____

Signed

(Respondent)

Place _____

Notes:

1. The memorandum of cross-objections must be in triplicate.
2. The memorandum of cross-objections should be written in English, or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963 then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.
3. *The number and year of memorandum of cross-objections will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
4. **The number and year of appeal as allotted by the office of the Tribunal and appearing in the notice of appeal received by the respondent is to be filled in hereby the respondent.
5. +If the space provided is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

[No. 8006/F.No. 143/2/88-TPL]
VIJAY MATHUR, Director (TPL)

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1988

